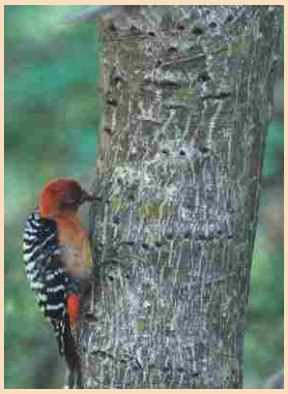

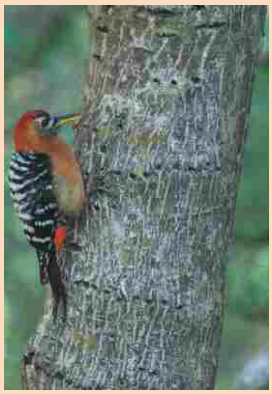

घोंसले - घोंसले की कहानी

"यार, पेट में बिल्लियाँ कूद रही हैं। चल, माँ को आवाज़ लगाते हैं।"

"हम दोनों की आवाज़ से काम नहीं चल रहा है। तीनों मिलके लगाते हैं..."

"अरे भाई क्या हुआ? क्यों बिल्ली के बच्चों की तरह शोर मचा रहे हो?"

"अम्मी भूख लगी है।" तीसरे ने पेट पकड़कर कहा।

माँ ने कहा है, "शोर मत बचाओ वरना..."

"अरे, भाई ठीक से मुँह **तो फैलाओ...**"

सभी फोटोः पी एम लाड

काठ से कुत्ता

लकड़ी के टुकड़े **से बनी** कलाकृति का यह **फोटो हमें वंशीलाल परमार द्वारा प्राप्त** हुआ है।

फोटोः महेश बसेड़िया